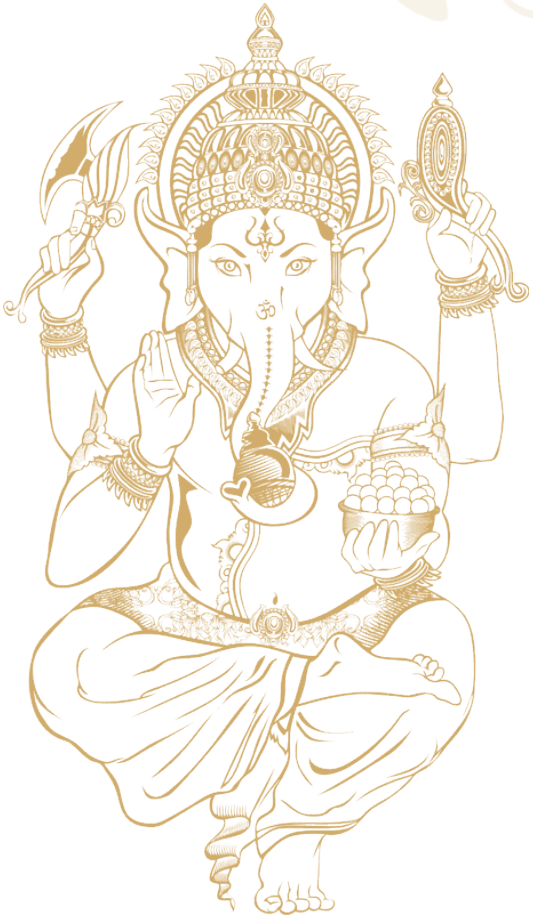

Mr.arus

06 Nov 2023

06:00 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121403604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/11/2023**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	59:53:57 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:09:40 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	09:09:34 घंटे
सूर्योदय	06:02:25 घंटे
सूर्यास्त	17:05:20 घंटे
दिनमान	11:02:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:08:11 तुला
लग्न के अंश	17:41:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:41:27	312:35:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	19:08:11	01:00:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			कर्क	26:21:20	11:52:29	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल		अ	तुला	22:51:20	00:41:46	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध		अ	तुला	29:19:56	01:32:22	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	15:56:19	00:08:08	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	03:14:27	01:04:36	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि			कुंभ	06:19:42	00:00:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			मेष	00:33:34	00:00:47	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	00:33:34	00:00:47	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष	व		मेष	27:11:37	00:02:28	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	---
नेप	व		मीन	00:57:21	00:00:58	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	03:52:05	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कर्क	20:44:21	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:17

लग्न-चलित

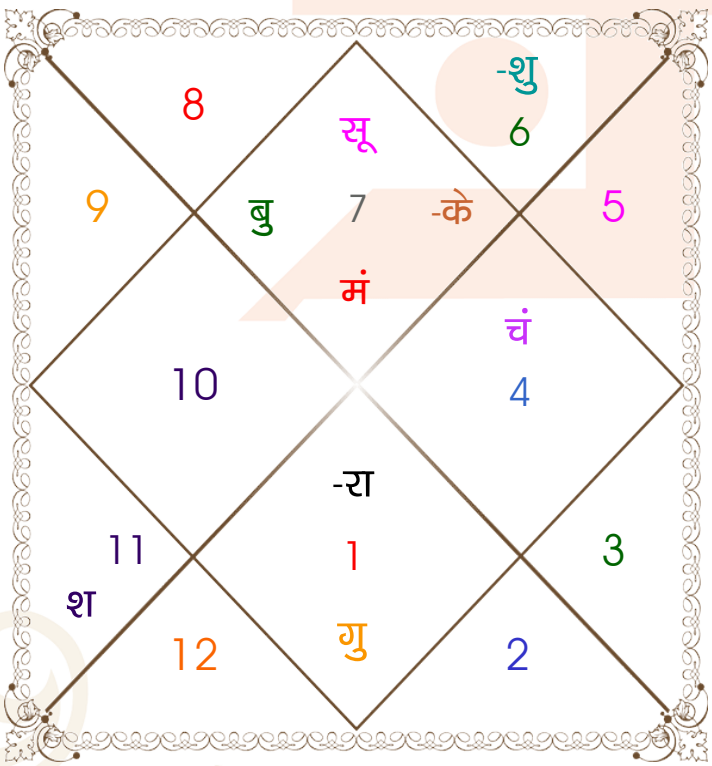

चन्द्र कुंडली

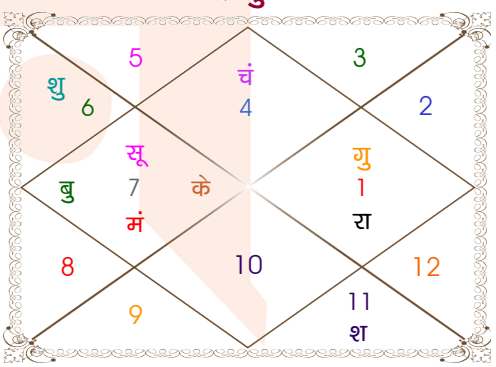

नवमांश कुंडली

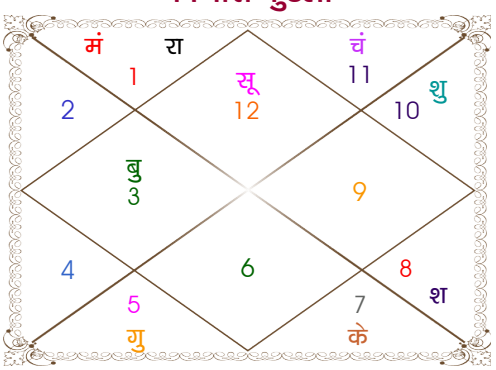

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 7 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/11/2023		29/06/2028		30/06/2035		30/06/2055		29/06/2061	
29/06/2028		30/06/2035		30/06/2055		29/06/2061		30/06/2071	
	00/00/0000	केतु	25/11/2028	शुक्र	29/10/2038	सूर्य	17/10/2055	चंद्र	30/04/2062
	00/00/0000	शुक्र	25/01/2030	सूर्य	29/10/2039	चंद्र	17/04/2056	मंगल	29/11/2062
	00/00/0000	सूर्य	02/06/2030	चंद्र	29/06/2041	मंगल	23/08/2056	राहु	29/05/2064
	00/00/0000	चंद्र	01/01/2031	मंगल	29/08/2042	राहु	17/07/2057	गुरु	28/09/2065
	00/00/0000	मंगल	30/05/2031	राहु	29/08/2045	गुरु	06/05/2058	शनि	30/04/2067
	00/00/0000	राहु	17/06/2032	गुरु	29/04/2048	शनि	18/04/2059	बुध	28/09/2068
	06/11/2023	गुरु	24/05/2033	शनि	30/06/2051	बुध	22/02/2060	केतु	29/04/2069
गुरु	20/10/2025	शनि	02/07/2034	बुध	30/04/2054	केतु	29/06/2060	शुक्र	29/12/2070
शनि	29/06/2028	बुध	30/06/2035	केतु	30/06/2055	शुक्र	29/06/2061	सूर्य	30/06/2071

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/06/2071		29/06/2078		29/06/2096		30/06/2112		01/07/2131	
29/06/2078		29/06/2096		30/06/2112		01/07/2131		00/00/0000	
मंगल	26/11/2071	राहु	12/03/2081	गुरु	17/08/2098	शनि	04/07/2115	बुध	26/11/2133
राहु	13/12/2072	गुरु	05/08/2083	शनि	28/02/2101	बुध	13/03/2118	केतु	24/11/2134
गुरु	19/11/2073	शनि	11/06/2086	बुध	06/06/2103	केतु	22/04/2119	शुक्र	23/09/2137
शनि	29/12/2074	बुध	29/12/2088	केतु	12/05/2104	शुक्र	21/06/2122	सूर्य	31/07/2138
बुध	26/12/2075	केतु	16/01/2090	शुक्र	11/01/2107	सूर्य	03/06/2123	चंद्र	30/12/2139
केतु	23/05/2076	शुक्र	16/01/2093	सूर्य	30/10/2107	चंद्र	02/01/2125	मंगल	26/12/2140
शुक्र	24/07/2077	सूर्य	11/12/2093	चंद्र	28/02/2109	मंगल	10/02/2126	राहु	16/07/2143
सूर्य	28/11/2077	चंद्र	11/06/2095	मंगल	04/02/2110	राहु	17/12/2128	गुरु	07/11/2143
चंद्र	29/06/2078	मंगल	29/06/2096	राहु	30/06/2112	गुरु	01/07/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 7 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।